

स्टार्टअप: युवाओं को लुभा रहे बाजरे से बने केक और कुकीज

बीकानेर की तीन युवतियों ने शुरू किया स्टार्टअप

भरपूर पोषक तत्व और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बीकानेर. प्रदेश में कम पानी से पकने वाले बाजरे में भरपूर पौष्टिक

तत्व होते हैं। इस फसल से पशुओं को चारा भी मिलता है, लेकिन बाजरे के ज्यादा स्वादिष्ट नहीं होने के चलते नई पीढ़ी इससे दूर है। अब न्यूट्रीशियन की पढ़ाई पूरी करने के बाद तीन युवतियों ने ज्वार-बाजरे से केक, बिस्किट और अन्य खाद्य तैयार किए हैं। ये युवाओं को भी लुभा रहे हैं। तीनों युवतियों के इस स्टार्टअप से खाने वाले को स्वास्थ्य लाभ तो मिलेगा ही ज्वार-बाजरे की बाजार में मांग बढ़ने का लाभ किसानों को भी होगा।



प्रतिरोधक क्षमता

बेंगलूरु में न्यूट्रीशियन की पढ़ाई कर स्टार्टअप शुरू करने वाली तनुश्री सिंह, रीमा राठौड़ व सोनिया ग़ोवर ने बताया कि बाजार में गेहूं, मूँदा व कॉर्न के केक व कुकीज ही मिलते हैं। इन सबसे ज्यादा पौष्टिक तत्व और डायबिटीज सहित कई रोगों से लड़ने की शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला ज्वार-बाजारा होता है। इसमें आयरन, प्रोटीन सहित सभी तरह के तत्व मौजूद रहते हैं। ऐसे में ज्वार-

बाजरे के केक-कुकीज बनाने का स्टार्टअप शुरू किया। इसमें युवाओं की पसंद और स्वाद को ध्यान में रखते हुए चॉकलेट आदि फ्लेवर भी डाले हैं। बाजारा बहुतायात उगाया जाता है और तैयार उत्पादों की लागत भी अन्य की तुलना में कम आती है।

ये खाने के उत्पाद

खाद्य उत्पादों में चार तरह की कैटेगरी हैं। इनमें केक, कुकीज, ब्राउनी, कब केकस हैं। इसके अलावा डार्क चॉकलेट बाजरा व

ज्वार कुकी, बाजरा एल्टमेटी केस्यु, ज्वार जीरा प्री बाइटिक, ओट्स एंड मिलक, टूटी-फ्रूटी बाजरा व ज्वार केक, बाजरा डार्क चॉकलेट केक, बाजरा ब्राउनी, कब केकस, लो शुगर ओट्स आदि उत्पाद हैं।

देशभर में आपूर्ति

बीकानेर में तैयार हो रहे बाजरे व ज्वार के उत्पाद केक और कुकीज की आपूर्ति बीकानेर के साथ ही अहमदाबाद, बनारस, दिल्ली, बेंगलूरु में भी की जा रही है। उदयपुर व जयपुर से भी मांग आ रही है।

डॉ. बी...
विप्र गौ...
बीकानेर...
ब्राह्मण...
पत्रिका द्वा...
के अंतर्गत...
पहचान र...
सम्मान से...
है। ब्राह्मण...
जिलाध्यक्ष...
कि ऊर्जा...
संस्कृति ए...
कल्ला...
सम्मानित...
प्रदेशाध्यक्ष...
शंकरलाल...
शोभा...
आचार्य अ...

शिक्षा विभाग: चारों विकल्पों पर मौका नहीं मिला तो पांचवां विकल्प डाल सकता है मुश्किल में

तबादलों में शिक्षक की पसंद के चार विकल्प और पांचवां शिक्षा विभाग का



विशेष श्रेणी को प्राथमिकता नहीं

प्रदेश के शिक्षा मंत्री गोविन्दसिंह डोटासरा ने तबादला नीति बनाकर गीष्मावकाश में स्थानांतरण करने की घोषणा की थी, लेकिन तबादला नीति नहीं बनी और बीच सत्र शिक्षा में व्यवधान नहीं आए इसके लिए गीष्मावकाश के दौरान तबादले करने का समय भी निकल गया। अब ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं लेकिन इसमें विकलांग विद्यार्थी

रिक्त पदों की जानकारी है

शाला दर्पण पर रिक्त पदों की जानकारी दी गई है। सभी शिक्षकों को स्कूलों में रिक्त पदों की जानकारी है। आवेदन के दौरान शिक्षकों के पास स्कूल के चार विकल्प होते हैं। पांचवें के स्वतः होने के बारे में पता करवा रहे हैं।

नूतनबाला कपिला, संयुक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा बीकानेर

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट: पशुओं की जांच करने के

ब्रुसेलोसिस का एक और रोगी सामने विभाग ने डेयरी, बूचड़खानों की सू

जिले में अब तक 13 रोगी मिले, एक स्क्रब टायफस का भी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बीकानेर. पशुओं से मनुष्यों में पहुंच रही बीमारियों के रोगी सामने आने के बाद अलर्ट हुए स्वास्थ्य विभाग ने अब पशुपालन विभाग को



इन रोगों को लेकर मांगी रिपोर्ट

स्वास्थ्य विभाग ने पशुओं से मनुष्य में फैलने वाले ब्रुसेलोसिस, कांगो फीवर तथा ग्लेण्डर्स आदि रोगों के लिए पशुपालन विभाग की गतिविधियों से